

एसआरएम में अटल स्कीम के तहत पांच दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम

मोदीनगर (करंट क्राइम)। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित एसआरएम आईएसटी के डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के तत्वाधान में तकनीकी शिक्षा के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अंतर्गत अटल स्कीम के तहत पांच दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संस्थान के सभागार में आयोजित कार्यक्रम शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि निदेशक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिलचर, असम प्रो० शिवाजी बंधोपाध्याय व विशिष्ट अतिथि प्रो० व एसोसिएट हैड अनुसंधान प्रौद्योगिकी ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड, डॉ० पीटर हान जू चोंग ने सयुक्त रूप से नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स व वायरलेस संचार शिक्षा में अनुसंधान पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करके सभा को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया।



उन्होंने मानव जीवन में नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स मैटेरियल्स की उपयोगिता को बताते हुए बताया कि कैसे अनुसंधान प्रौद्योगिकी ऑकलैंड विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में नैनो मेटेरियल्स में हो रही नई शोध हमारी आने वाली दुनिया को बदलने का दम रखती है। इस कार्यक्रम के स्वागत भाषण में एसआरएम के

डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ० एस विश्वनाथन ने कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं देते हुए सबका स्वागत किया। एसआरएम आईएसटी के डीन डॉ० देवेन्द्र कुमार शर्मा ने संस्थान द्वारा शिक्षक और विद्यार्थी उत्थान के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस ऑनलाइन कार्यक्रम के उद्घाटन में डॉ० एनएम मिश्रा, डीन

मैनेजमेंट, डॉ० आरपी महापात्रा डीन एडमिशन, डॉ० नवीन अहलावत डीन कैंपस लाइफ भी मौजूद रहे। डॉ० पंकज सिंह व संचालन समन्वयन डॉ० पंकज सिंह, सहसमन्वयन डॉ० सत्य साई श्रीकांत व डॉ० प्रशांत मणि के द्वारा किया गया। पांच दिवसीय इस कार्यक्रम में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आगेनाइजेशन, भारतीय तकनीकी संस्थान, नेशनल तकनीकी संस्थान, जामिया यूनिवर्सिटी व देश के दूसरे सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों के शिक्षक एवं साईटिस्ट आदि हो रही नई नई खोजों के बारे में जानकारी देंगे। जीवन में आने वाले तनावों से कैसे निपटा जा सकता है, के बारे में भी अपना मार्गदर्शन दे रहे हैं। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों के 170 से भी ज्यादा शिक्षक व शोधकर्ता भाग ले रहे हैं।

एसआरएम यूनिवर्सिटी में पांच दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का हुआ शुभारम्भ

संविदा खरिद

संविदा खरिद। दिल्ली फेडरल कॉलेज ऑफ एज. आर. एच. आई. एच. टी. के डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के सम्बन्धन में लक्नौ-को शिक्षा के लिए अतिरिक्त भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अंतर्गत अटल स्कॉल के तहत पांच दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ किया गया। 06 विद्यार्थियों से प्रारंभ हुए इस प्रोग्राम का शुभारंभ बलर मुल्क अतिथि प्रो. निखली संतोषाचार, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, अलग एवं विभिन्न अतिथि डॉ. फेडरल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और एप्लाइड टेक अनुसंधान प्रौद्योगिकी और नैतिक शिक्षा विभाग, न्यू डेल्ही ने की। इलेक्ट्रॉनिक्स और संचालन संकाय शिक्षा में अनुसंधान पर अपनी अंशदाता साक्षात्कार का अतिरिक्त सम्बन्धन से संबंधित



किया। अपनी प्रथम जीएस में फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम को उपस्थित को प्यारी हुए बताने कि कैसे अनुसंधान प्रौद्योगिकी और नैतिक शिक्षा विभाग, न्यू डेल्ही में प्रौद्योगिकी संकाय में फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ किया। एस आर एम आई एस टी

अने प्यारी दुनिया को बताने का रूप रखती है। इस कार्यक्रम के सम्बन्धन में एस आर. एच. के रिपटी संचालक डॉ. एस विरकामन ने कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं देते हुए सम्बन्धन किया। एस आर एम आई एस टी

के डॉ. डॉ. वैश्व कुमार शर्मा ने सम्बन्धन प्राप्त शिक्षक और शिक्षार्थी सम्बन्धन के लिए धाराएं जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस अतिरिक्त कार्यक्रम के उद्देश्य में डॉ. एन. एन. निखा, डॉ. वी.एस.टी. डॉ.

अन. पी. चारास डॉ. ए.ए.ए.ए. डॉ. नवीन अरुणकर डॉ. वैश्व सम्बन्धन से जुड़े रहे। डॉ. संजय सिंह, डेड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के मुख्य अतिथि, दिल्ली अतिथि व सभी सदस्यों का कार्यक्रम से जुड़ने के

लिए सम्बन्धन किया। एआईटीआई दिल्ली एंड एनईए (अलग) द्वारा प्रयोजित "फैकेल्टी डेवलपमेंट और आरएच इंजीनियरिंग" पर पांच दिवसीय एम-डिप्लोमा का सम्बन्धन सम्बन्धन डॉ. संजय सिंह, और सा-सम्बन्धन डॉ.एस.आई.सी. और डॉ. प्रदीप सिंह के द्वारा किया जा रहा है। पांच दिन पहले पहले इस कार्यक्रम के विभिन्न विषयों एंड डेवलपमेंट अतिरिक्त, भारतीय तकनीकी संकाय, दिल्ली तकनीकी संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय व देश के दूसरे संकायों और फैकेल्टी संकायों के शिक्षक एवं सहितक अतिथि से रही नई नई खोजों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। जीवन में अपने प्यारी सम्बन्धन से कैसे निपटा जा सकता है, के बारे में भी अलग-अलग प्रोग्राम दे रहे हैं। इस अतिरिक्त कार्यक्रम के अंत में विभिन्न सम्बन्धन के 170 से भी ज्यादा शिक्षक व सम्बन्धन सम्बन्धन से जुड़े रहे हैं।

आज का दिन विशेष रूप से हमारे लिए है। हमारे सभी सदस्यों को हमारे साथ रहने का आह्वान है।